श्री विजयदासार्य विरचित नेत्र सुळादि
(श्री वेंकटेश लोचन सुळादि)

राग भैरवि

–ध्रुवताळ–

चंद्रमंडल पोलुव इंदिरा मोगवनु
चंददिंदलि बिडदे निक्षिसुव लोचन
मंदहास शीतळवागि पादवनु
पोंदिद भक्तरन नोडुव लोचन
वंदिसि कोंडाडि ओंदे भकुतियल्लि देवन नंबलु
नंददिंदलि सुधा बिंदुगरेव लोचन
अंदु प्रल्हादगे कंभदिंदलि वोलिदु
बंदु हेरळवागि किडि तोरिद लोचन
वृंदादोळगे सकल वृक्षजातिगे मिगलु
ऍंदेनिसुव तुळसि पेत्त लोचन
कंदर्पपित नम्म विजयविठल निन्न
द्वंद्वानंत पोळेव सुलोचन ॥ १ ॥

मट्टताळ –

सरसीरुह दळ मरिसिद लोचन
करिय मेले दया हरिसिद लोचन
कुरु बलदायुष्य हरिसिद लोचन
अरुण वरणद रेखे स्फुरितद लोचन
करुणि जितामन्यु विजयविठल सर्व
वरणाश्रमदल्लि भरित लोचन ॥ २ ॥

– त्रिविडिताळ –

जलनिधिय मेलॆ तिरहिद लोचन
सुललितवागिद्द सुंदर लोचन
जलजाप्त शशियंतॆ ऒप्पुव लोचन
कळंकविल्लद निर्दोष लोचन
ऒळगॆ हॊरगॆ नोट तुंबिद लोचन
सलॆ विशालवागि मिरगुव लोचन
बलुदैवा सुकृत विजयविठल तिम्म
कॆलकाल जागरवागिद्द लोचन ॥ ३ ॥

– अट्टताळ –

दट्ट दारिद्रन्न दृष्टियिंदलि नोडॆ
अष्टभाग्यव नीवाभीष्टद लोचन
कष्टवादरु मन्निसिदरु निमिषक्कॆ
श्रेष्टन्न माडुव स्वातंत्र लोचन
सृष्टियॊळगॆ सगरकुल हॆणगलु
सुट्टु कळॆद पराक्रम लोचन
श्रेष्ठनामा सिरि विजयविठलरेय
इष्टार्थ पालिप शुभकर लोचन ॥ ४ ॥

– आदिताळ –

सर्व बॊम्मांडगळन्नु ऒळगिट्ट लोचन
गीर्वाण मुनिजनकॆ महिमॆ तोरिद लोचन
ऊर्विया पतिगळनु पुट्टिसिद लोचन
सर्व प्राणिगळिगॆ साकल्यवाद लोचन
चार्वाक खळरन्न जॆरॆवंत लोचन

सर्व कालदल्लि ऍवॆ हाकदिद्द लोचन
सर्वशास्त्राभृत विजयविठलरेय
गीर्वाण भजनॆयरितु भक्तरिगीव लोचन ॥ ५ ॥

– जतॆ –

गुरुतनुजना नडुगिसिकॊंड लोचन
सिरिरंग प्रभुरंग विजयविठलन लोचन ॥

॥ श्री कृष्णार्पणमस्तु ॥